



मेज पर 3 गिलास और कुछ कागज, हत्यारे एक से अधिक

मुकेश सहनी के पिता की हत्या पर DIG का बड़ा बयान

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बिहार में विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी के पिता जीवन सहनी की हत्या के मामले में दरभंगा के डीआईजी बाबू राम ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड को एक से ज्यादा हत्यारों ने अंजाम दिया है. डीआईजी ने कहा, इस हत्याकांड में शाम तक या अगले 24 घंटे में सफलता मिल जाएगी, कई



अहम सबूत मिले हैं, मेज पर 3 गिलास और कुछ कागज थे जिससे पता चलता है कि एक से अधिक हत्यारे शामिल हैं. यह हत्या किसी एक हत्यारे की करतूत नहीं है. बता दें कि पिता की हत्या की खबर मिलने

के बाद मुकेश सहनी मुंबई से पटना के लिए निकल चुके हैं. वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने पूर्व मंत्री मुकेश सहनी से फोन पर बातचीत भी की है और उनकी पिता के हत्या पर दुख जताया है. सीएम ने इस मामले में बिहार के डीजीपी को तत्काल एक्शन लेने के लिए कहा है और दोषियों पर जल्द कार्रवाई करने का निर्देश दिया है.

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मधुबनी, मणिपुर में पिछले दिनों उग्रवादियों ने सीआरपीएफ की टीम पर हमला बोल दिया था। इस हमले में मधुबनी के रहने वाले अजय झा शहीद हो गए थे। शहीद का पार्थिव शरीर गांव पहुंचने के बाद पूरे सम्मान के साथ उनकी अंत्येष्टि की गई। इस मौके पर भारत माता जय के नारों से पूरा इलाका गुंजायमान हो उठा।

दरअसल, बीते 14 जुलाई को मधुबनी के बांकी गांव निवासी सीआरपीएफ के जवान अजय कुमार झा मणिपुर में एक हमले में शहीद हो गए थे। आज मधुबनी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। पूरे सम्मान के साथ आज सुबह उनके पैतृक गांव मधेपुर थाना क्षेत्र के बांकी में शहीद को अंतिम सलामी दी गई। सीआरपीएफ के आलाधिकारियों, जवानों एवं प्रशासन के अधिकारियों द्वारा पुलिस ऑनर सहित सभी सैनिक सम्मान दिया गया।



शहीद की पत्नी अनू देवी अपने बच्चों के साथ सीआरपीएफ कैंप झपहां से घर पहुंची थीं। शहीद जवान के सगा संबंधी भी अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे हुए थे। सोमवार आधी रात शाहिद जवान का पार्थिक शरीर घर पहुंचा था। मंगलवार सुबह सात बजे सीआरपीएफ के वरीय अधिकारियों, बिहार सरकार में मंत्री शीला मंडल, सांसद रामप्रीत मंडल, जिले के डीएम एवं एसपी की उपस्थिति में सैनिक सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया

गया। अजय कुमार झा असम के दिब्रूगढ़ में 20 बीएन सीआरपीएफ में कार्यरत थे। जहां से पांच दिन पहले ही उनके टीम को मणिपुर के जिरिबाम भेजा गया था। जहां जिरिबाम थाने से आठ किलोमीटर दूर मोंगबुंग में हथियार बंद संदिग्ध उग्रवादियों ने उनके टीम पर पहाड़ पर से हमला कर दिया। जिसके बाद उग्रवादी जंगल में फरार हो गए। सिर में गोली लगने से अजय कुमार झा शहीद हो गए और अन्य दो

ऑफिसर जखमी हो गए थे। अजय कुमार झा की प्रारंभिक शिक्षा गांव के सरकारी स्कूल में हुई। जवाहर उच्च विद्यालय मधेपुर से वर्ष 1995 में उन्होंने मैट्रिक की। फिर हर्षपति सिंह महाविद्यालय मधेपुर से अंतर स्नातक और स्नातक की। जिसके बाद वर्ष 2004 में उनका चयन सीआरपीएफ में हुआ था। बता दें कि मैतथी और कूकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा की आग मणिपुर में एक साल से जल रही है, जिसमें अबतक कई जवान शहीद हो चुके हैं।

मुकेश सहनी के पिता की हत्या के मामले में पहला एक्शन

पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

दरभंगा, दरभंगा में विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीवन सहनी की हत्या के मामले में पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है. इनसे कड़ी पूछताछ चल रही है. सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद दोनों संदिग्धों को पुलिस ने उठाया है. वहीं इस मामले में पटना से भी एक एसटीएफ की टीम दरभंगा के लिए रवाना हो गई है. डीआईजी ने दावा किया है कि 8 घंटे के अंदर इस हत्या को अंजाम देने वाले पकड़े जाएंगे. दरभंगा के डीआईजी बाबू राम ने जीवन सहनी की हत्या को लेकर बताया था कि वारदात को एक से ज्यादा हत्यारों ने अंजाम दिया है. मेज पर 3 गिलास और कुछ



कागज थे जिससे पता चलता है कि एक से अधिक हत्यारे इसमें शामिल हैं. डीआईजी के इस खुलासे के बाद घर में दो मोटरसाइकिल भी मिले हैं. जिस तीन गिलास को लेकर डीआईजी

ने बयान दिया था उसमें एक में पेय पदार्थ भी मिला है जिसकी जांच चल रही है. इस बात की जानकारी बिहार पुलिस के प्रवक्ता और एडीजी मुख्यालय जितेंद्र सिंह गंगवार ने जानकारी दी है.

कर्मियों के कार्यशैली पर जतायी नाराजगी

मोतिहारी में डीएम ने डीईओ कार्यालय का किया निरीक्षण

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मोतिहारी, पूर्वी चंपारण के शिक्षा विभाग की कारगुजारियां एक बार फिर चर्चा में हैं. पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षा विभाग के डीईओ कार्यालय की अनियमितताओं की जांच करने जिलाधिकारी सौरव जोरवाल पहुंचे. लेकिन डीएम उस समय डीईओ कार्यालय के कार्यशैली से गुस्से से लाल हो गए. दरअसल डीएम को अपडेट फाइल दिखाने में कर्मी असफल रहे.दरअसल उन्होंने डीईओ कार्यालय के कार्यों का लेखा जोखा का डाटा मांगा तो कार्यालय कर्मी एक भी अपडेट फाइल नहीं पेश कर सके. कार्यालय के फाइलों का निरीक्षण किए बिना

लौट रहे डीएम ने बताया कि कार्यों के लेखा जोखा का फाइल अपडेट नहीं था.दरअसल,डीएम सौरभ जोरवाल पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डीईओ कार्यालय निरीक्षण के लिए पहुंचे थे. निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यों से संबंधित डाटा और फाइल मांगी, लेकिन एक भी अपडेट डाटा और फाइल डीएम को उपलब्ध नहीं कराया जा सका. डीईओ समेत कर्मियों ने नेटवर्क खराबी का हवाला देकर डाटा अपडेट नहीं होने की बात कही. इस कारण डीएम खफा हो गए और सभी फाइल व डाटा को अपडेट करके चैम्बर में आने का सख्त निर्देश दिया.

मुकेश सहनी के पिता के निधन पर सीएम नीतीश ने जताया शोक

बढ़ते अपराध पर DGP भट्टी को फोन लगाकर हड़काया

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, दरभंगा में वीआईपी चीफ मुकेश सहनी के पिता जीवन सहनी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस हाईप्रोफाइल हत्या की घटना के बाद बिहार की सियासत गर्म हो गई है। राज्य में बढ़ती अपराध की घटनाओं को लेकर हो रही सियासत के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुकेश सहनी के पिता के निधन पर शोक जताया है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने डीजीपी आर.एस भट्टी को फोन लगाकर तुरंत एक्शन लेने को कहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुकेश

सहनी के पिता जीवन सहनी के असामयिक निधन पर गहरा दुख जताया है और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी पूरी संवेदना जताई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जीवन सहनी की हत्या अत्यंत दुःखद घटना है। मुख्यमंत्री ने डीजीपी आरएस भट्टी को फोन कर दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने को कहा है। सीएम ने पूर्व मंत्री और वीआईपी चीफ मुकेश सहनी से भी फोन पर बातचीत की है और उन्हें सांत्वना दी है। बता दें कि वीआईपी चीफ और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीवन

सहनी की देर रात बदमाशों ने घर में घुसकर हत्या कर दी। जीवन सहनी की हत्या बड़े ही बिभत्स तरीके से की गई है। ऐसे में आपसी रंजिश के कारण हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के बड़े अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। इस हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। उधर, इस हाई प्रोफाइल हत्याकांड से बिहार के सियासी गलियारे में भूचाल आ गया है। सत्ताधारी दल के नेता जहां अपराधियों को सख्स से सख्त सजा दिलाने की बात कह रहे हैं तो वहीं विपक्षी दल सरकार पर सवाल उठा रहे



हैं और इसे डबल इंजन सरकार का जंगलराज करार दे रहे हैं।

लालू के राज में आपराधिक घटनाएं रोज होती थी

बोले उपेंद्र कुशवाहा..और प्रशासन के लोग सोये रहते थे

दरभंगा, विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो व बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीवन सहनी की देर रात धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गयी। मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है तो वहीं त्वरित कार्रवाई करते हुए दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है जिससे पूछताछ की जा रही है। एडीजी मुख्यालय जितेंद्र सिंह गंगवार ने दावा किया है कि जल्द ही अपराधी सलाखों के पीछे होंगे। इधर इस हाई प्रोफाइल मर्डर से बिहार की सियासत गर्म हो गई है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह घटना बेहद दुःखद और निंदनीय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से यह आग्रह किये हैं कि खुद इस घटना का सच्चाजान लेते हुए पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित करें ताकि सख्ती से कार्रवाई हो और अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके। इस घटना को लेकर विपक्ष के हमले पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि आरजेडी के लोग क्या हैं सब लोगों को मालूम है। जब उनका राज चल रहा था तब ऐसी घटनाएं रोज होती थी। इन घटनाओं पर उनकी संवेदना क्यों होगी। जो कोई भी इस घटना के पीछे है उसके खिलाफ सख्ती के कार्रवाई होगी और आरोपी भी पकड़ा जाएगा। इसमें कहीं कोई दो राय नहीं है। लालू के राज में इस तरह की घटनाएं रोज होती थी और शासन और प्रशासन के लोग सोये रहते थे लेकिन आज ऐसी बात नहीं है। बहुत जल्द जीवन सहनी हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा।



मोतिहारी में डबल मर्डर से सनसनी

चाचा-चाची ने गाली देने से मना किया तो शराबी भतीजे ने उतार दिया मौत के घात

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ मोतिहारी, विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो व बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी के पिता जीवन सहनी की हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि मोतिहारी डबल मर्डर से दहल गया। घटना पूर्वी चम्पारण के मेहरी थाना क्षेत्र के मिठनपुरा गांव की है। जहां एक शराबी भतीजे ने चाचा-चाची की निर्मम हत्या कर दी। मामले में डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के मिठनपुरा गांव में गाली-गलौज कर रहे एक शराबी को मना करने पर उसने चाकू से गोद कर एक दंपति की हत्या कर दी। मंगलवार की शाम हुई इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गयी। मुतक की पहचान स्व. चिरकुट साह के पुत्र 70 वर्षीय बलू साह और उनकी 65 वर्षीया पत्नी मानती देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। वहीं आरोपी भतीजा पवन साह को ग्रामीणों ने धड़ दबाया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के संबंध में डीएसपी सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही एक टीम का गठन किया गया। थानाध्यक्ष रणधीर कुमार भट्ट व राहुल कुमार सहित और सशस्त्र बलों को मौके पर भेजा गया। जहां पहुंचने पर ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। हत्या करने वाले भतीजे पवन साह से जब पुलिस ने पूछताछ की तब उसने अपना जुर्म स्वीकार किया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।



केंद्र सरकार की स्थिरता को लेकर कांग्रेस के दुष्प्रचार में दम नहीं, पूरा करेगी कार्यकाल : केसी त्यागी

सुरेंद्र सिंघल,वरिष्ठ पत्रकार नई दिल्ली। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल केंद्र में हाल ही में बनी एनडीए सरकार की स्थिरता को लेकर लगातार देश में भ्रम फैला रहे हैं कि यह सरकार जल्द गिर जाएगी। सरकार को समर्थन दे रहे एक बड़े घटक दल जनता दल यूनाइटेड के सलाहकार एवं मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने आज विपक्ष के दुष्प्रचार का दो दूक जवाब दिया। बोले कि कुछ अंतराल को छोड़कर जेडीयू अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के समय से ही एनडीए के आकार लेने के समय से ही भाजपा की सहयोगी रही है। 75 साल के होने जा रहे कृष्णचंद त्यागी जो केसी त्यागी के नाम से जाने जाते हैं और जिनकी सदैव ही नागरिकों की लोकतांत्रिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की आजादी और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर प्रतिबद्धता रही है, ने यह बाते



वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल से खास बातचीत में कही। केसी त्यागी परिचमी उत्तर प्रदेश के पांच दशकों से जाना-माना सियासी चेहरा रहे हैं। उन्होंने चौधरी चरण सिंह, शरद यादव, मुलायम सिंह यादव, चौधरी अजीत सिंह, जार्ज फर्नांडिस, नीतीश कुमार के साथ काम किया है। उनका नीतीश कुमार के साथ अभी भी गहरा नाता बना है। केसी त्यागी अटल बिहारी वाजपेयी के प्रशासकों में भी हैं। उन्हें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का करीबी भी माना जाता

है। केसी त्यागी एक बार लोकसभा और एक बार राज्यसभा के सदस्य रहे हैं। कई मौकों पर उनकी निजी विचारधारा और सोच राजनीतिक उपलब्धियां हासिल करने में बाधा साबित हुईं लेकिन इसका उन्हें मलाल नहीं है। केसी त्यागी ने कहा कि जेडीयू का बीजेपी को समर्थन बिना शर्त है। उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार आराम से चल रही है। बिहार प्रांत बंटने के बाद गरीबी, बदहाली, बेरोजगारी और पलायन की मार झेल रहा है। उसे विकसित राज्य बनाने के लिए और उद्योगों में निवेश के लिए आकर्षित करने के लिए वहां नए हवाई अड्डों, नए उद्योगों, मेडिकल कालेजों के लिए आर्थिक पैकेज की बहुत जरूरत है। जेडीयू उम्मीद करती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर जल्द ही ध्यान देंगे। केसी त्यागी ने स्वीकार

किया कि यदि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से कुछ गलतियां न हुई होती और उनके नेता बेकार की जिद न किए होते तो जेडीयू इंडिया गठबंधन से बाहर नहीं आती। जेडीयू चाहती थी कि नीतीश कुमार संयोजक बनाए जाएं। लेकिन प्रधानमंत्री पद जैसी कोई बात नहीं थी। यह अलग बात है कि दिल्ली में कांग्रेस में पीएम पद को लेकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नामों को लेकर सुगुब्बाहट थी। कांग्रेस के गैर पेशेवराना रवैए ने इंडिया गठबंधन को क्षति पहुंचाई। यदि ऐसा ना होता तो इंडिया गठबंधन केंद्र में सतारुद हो जाता। अंत में केसी त्यागी ने दुद्र्दशा से कहा कि केंद्र की एनडीए सरकार पांच साल चलेगी। उसे कोई खतरा नहीं है। कांग्रेस इस सरकार को अस्थिर नहीं कर पाएगी। एनडीए सरकार के कामकाज पर हमारी नजर रहेगी।